



जीएनपीए अनुपात

भारतीय रज़िर्व बैंक (RBI) के अनुसार, **सकल गैर-नष्पादति परसिंपत्तियाँ (GNPA)** अनुपात, जो सतिंबर 2022 में कम होकर सात वर्ष के नचिले स्तर 5.0% पर आ गया, के सतिंबर 2023 तक 4.9% तक सुधरने की उम्मीद है।

- हालाँकि यदि व्यापक आर्थिक वातावरण एक मध्यम या गंभीर तनाव परदृश्य में बदलता है तो **GNPA अनुपात क्रमशः 5.8% और 7.8% तक बढ़ सकता है।**

अन्य अवलोकन:

- सकल अग्रमि के लिये GNPA का अनुपात मार्च 2022 में 5.9% था। सतिंबर 2022 तक शुद्ध गैर-नष्पादति परसिंपत्तियाँ (NNPA) अनुपात दस वर्ष के नचिले स्तर 1.3% पर था जिसमें **नजी क्षेत्र के बैंक (PVB)** NNPA अनुपात 1% से नीचे था।
- सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (Public Sector Banks- PSB)** का GNPA अनुपात सतिंबर 2022 में 6.5% से बढ़कर सतिंबर 2023 में 9.4% हो सकता है, जबकि यह PVB के लिये 3.3% से बढ़कर 5.8% और गंभीर तनाव परदृश्य के तहतवदिशी बैंकों (Foreign Banks-FB) के लिये 2.5% से 4.1% हो जाएगा।
- बैंचमार्क परदृश्य के तहत प्रमुख बैंकों के **जोखमि भारति संपत्त अनुपात (Capital to Risk Weighted Assets Ratio- CRAR)** के लिये कुल पूंजी सतिंबर 2022 से सतिंबर 2023 में 15.8% से 14.9% होने का अनुमान है।
- बैंचमार्क परदृश्य के तहत कुछ बैंकों का **कॉमन इक्विटी टियर-1 (CET1)** पूंजी अनुपात सतिंबर 2022 के 12.8% से घटकर सतिंबर 2023 तक 12.1% हो सकता है।

प्रमुख शब्दावली:

- GNPA:** ये संपत्त उन सभी ऋणों का योग है जिन्होंने वित्तीय संस्थान से ऋण प्राप्त किया था लेकिन ऋण नहीं चुकाया है।
- समष्टि पर्यावरण (Macro-environment):** यह संदर्भित करता है कि मैक्रोइकोनॉमिक परस्थितियाँ जिसमें कोई कंपनी या क्षेत्र संचालित होता है, किस प्रकार इनके प्रदर्शन को प्रभावित करती हैं।
 - समष्टि अर्थशास्त्र (मैक्रोइकोनॉमिक्स) नजी उद्योगों और बाज़ारों के विपरीत एक **अर्थव्यवस्था में कुल उत्पादन, खर्च और मूल्य स्तर** से संबंधित होता है।
- NNPA:** यह वह प्रावधान राशि है जो गैर-नष्पादति संपत्तियों से घटाने के बाद वसूल की जाती है।
- CRAR:** पूंजी पर्याप्तता अनुपात (CAR), जिसे CRAR के रूप में भी जाना जाता है, का उपयोग जमाकर्त्ताओं की सुरक्षा और विश्व भर में वित्तीय प्रणालियों की स्थिरता एवं दक्षता को बढ़ावा देने के लिये किया जाता है।
 - CAR बैंक द्वारा व्यक्त की गई उपलब्ध पूंजी का एक मापन है जो कि बैंक के **जोखमि भारति क्रेडिट एक्सपोजर के प्रतशित के रूप में व्यक्त की जाती है।**
- CET1:** इसमें इक्विटी इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं और इसलिये शेयर की कीमतों का प्रदर्शन बैंकों के प्रदर्शन से संबंधित होता है। इनकी कोई परपिक्वता अवधि नहीं होती है।
 - बेसल-III मानकों** के अनुसार, बैंकों की नियामक पूंजी को टियर 1 और टियर 2 में बाँटा गया है, जबकि टियर 1 को कॉमन इक्विटी टियर-1 (CET-1) और अतिरिक्त टियर-1 (Additional Tier1- AT-1) पूंजी में विभाजित किया गया है।

गैर-नष्पादनकारी परसिंपत्तियाँ:

- NPA उन ऋणों या अग्रमिों के वर्गीकरण को संदर्भित करता है जो **डफॉल्ट रुप में हैं** अथवा मूलधन या ब्याज के निर्धारित भुगतान पर बकाया हैं।
- किसी परसिंपत्त के अनर्जक/गैर-नष्पादति रहने की अवधि और बकाया ऋण एकत्र करने की क्षमता के आधार पर** बैंकों को गैर-नष्पादति संपत्तियों को **नमिनलिखित तीन समूहों में वर्गीकृत करने की आवश्यकता होती है:**
 - सब-स्टैंडर्ड परसिंपत्तियाँ:** वह परसिंपत्त जिसे 12 महीने से कम या उसके बराबर की अवधि के लिये NPA के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।
 - संदिग्ध परसिंपत्तियाँ:** वह परसिंपत्त जो 12 महीने से अधिक की अवधि के लिये गैर-नष्पादक रही है।
 - नुकसान वाली परसिंपत्तियाँ:** ये परसिंपत्तियाँ बैंक, लेखा परीक्षक या नरीक्षक द्वारा पहचाने गए घाटे वाले ऋण हैं जिन्हें पूरी तरह से

माफ कर दिया जाना चाहिये।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न. भारत में सार्वजनिक क्षेत्र की बैंकिंग के प्रशासन के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजयि: (2018)

1. भारत सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पछिले एक दशक में पूंजी नविश में वृद्धिहुई है।
2. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को व्यवस्था में रखने के लयि भारतीय स्टेट बैंक के साथ सहयोगी बैंकों का वलिय प्रभावति हुआ है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर : (b)

[सरोत: इंडयिन एक्सप्रेस](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/gnpa-ratio>

